

factory to all the States so that there would be no cause for grievance whatsoever and the Centre would not be blamed for what happens in the States

Mr. Speaker: That has no bearing on the main question

श्री जगन्नाथ राव जोशी : प्रजातन्त्र केवल कोरे सिद्धान्तों के भरसे नहीं चल सकता है। अगर प्रजातन्त्र के सिद्धान्तों को कार्यान्वित करके अच्छी धीरे स्वस्थ परम्पराये स्थापित की जायें, तभी प्रजातन्त्र चल सकता है। इस सम्बन्ध में अधिकारारूढ पक्ष की विशेष जिम्मेदारी है। इसी मदन में 7 नवम्बर, श्री दुर्बेटना को लेकर राष्ट्रीय स्वयं सेवक सघ और जनसघ के खिलाफ कुछ खास इल्जाम लगाए गए थे। बाद में जांच में यह पता चला कि उस दुर्बेटना में इन दानों दलों का कोई हाथ नहीं था। तो क्या मन्त्री महोदय का यह कर्तव्य और दायित्व नहीं है कि वह अपने मन की भावना को प्रकट करके समा-याचना करे और इस सबन को बताये कि मैंने जो आरोप लगाया था, वह ठीक नहीं था ?

Shri Y. B. Chavan: No, I cannot make that statement.

वैदेशिक तेल कम्पनियों में छंटनी

-।-

\* 1235 श्री हुकम चन्द कछवाय :

श्री जगन्नाथ राव जोशी :

श्री जनार्दनन :

श्री बालुदेवन नायर :

क्या श्रम तथा पुनर्वास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या विदेशी तेल कम्पनियों में छुट्टी के बारे में जांच करने के लिये नियुक्त की गई समिति ने मर्सी विदेशी तेल कम्पनियों के बारे में जांच कर ली है,

(ख) यदि हा तो उसका स्वीरा क्या है, और

(ग) यदि नहीं, तो इसके द्वारा कच्चा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में कितना समय सब्सिडी की सम्भावना है ?

श्रम तथा पुनर्वास मंत्री (श्री हार्थी) :

(क) और (ख) यह धार्योग 4 जून, 1967 ही को स्थापित किया गया। धारा है कि वह अपना कार्य शीघ्र ही प्रारम्भ कर देगा।

(ग) इस धार्योग को अपनी रिपोर्ट छ महीने के अन्दर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि मुबराय और गौहाटी में जो नई कम्पनियां बन रही हैं, उनमें इन विदेशी तेल कम्पनियों से छाटे जाने वाले कर्मचारियों को काम दिनाबा जाये ?

श्री हार्थी : वे सरकार की कम्पनियों तो नहीं है, लेकिन रिट्रिबुमेंट में जो लोग फ़ालतू करार दिये जायेंगे, उन को दूसरी जगह रखने के लिये कम्पनियों को जरूर कहा जायेगा।

श्री हुकम चन्द कछवाय : माननीय मन्त्री ने बताया है कि 6 महीने में रिपोर्ट धार्येनी, जाच चल रही है। रिपोर्ट आने के बाद उसे कार्य में लाने के लिये कितना समय लगेगा ?

श्री हार्थी : जितना कम समय लगे, उतना।

श्री जगन्नाथ राव जोशी : कमेटी की जो टर्मज फ़ाफ़ रेफ़रेन्स प्रनी हैं, उसमें छटनी न हो, इस दष्टि से जांच जरूर है। उनको अपने कार्यों के बारे में कोई धार्यवस्ती यानी गारन्टी मिले, क्या इस बात का कोई सुझाव धार्या है ?

श्री हार्थी : ऐसा सुझाव धार्या है। लेकिन गारन्टी के बारे में आयल कम्पनीज ने कहा है कि वे लोग वासन्टी रिट्रिबुमेंट नहीं करिये, लेकिन जहा कोई जगह सरप्लस हो, वह उन्

इन्फ्लेशन को बेहतर की संयुक्त रूप को ही जानी चाहिये। लेकिन हमारे बर्कब ने इस बात को नहीं जाना।

**Shri Vasudevan Nair:** The employees have already made it known that the terms of reference are not proper and they have objections to them. In view of this, would Government discuss this matter again with representatives of the workers and revise the terms of reference? Also, what is going to happen till the Commission goes into it and comes to a decision? Till that time, is there a guarantee that there will be no retrenchment?

**Shri Nath:** So far as the terms of reference are concerned, one of the MPs, Shri Mohammad Ismail, did see me day before yesterday. I told him that if it is found that the terms of reference will not serve the object we have in view, we could discuss the matter. If it is found that those terms are not likely to have the results in view, we shall certainly discuss them and reconsider the matter.

So far as the surplus staff is concerned, I have had discussions with the works and management also. The Caltex people had come to me. They said they are prepared to take 24 people immediately there are vacancies in Calcutta.

**Mr. Speaker:** Next question.

**Shri Ganesh Ghosh:** We have one or two more questions to ask.

**Mr. Speaker:** We are already very late.

#### Report on Science Policy

\*1238. **Shri Tridib Kumar Chandhuri:**  
**Shri S. C. Samanta:**  
**Shri Yashpal Singh:**

Will the Minister of Education be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Chairman of the University Grants of India; and

Commission has proposed that a report on Science Policy be placed annually before Parliament;

(b) whether the Council of Scientific and Industrial Research would prepare this special report; and

(c) if so, the reaction of Government thereto?

**The Minister of State in the Ministry of Education (Shri Bhagwat Jha Azad):** (a) Dr D. S. Kothari, Chairman, University Grants Commission while delivering a lecture on April 26, 1957, at Sapru House, New Delhi, made a suggestion, in his personal capacity, that an annual report should be placed before Parliament dealing with the progress of Science and matters having a bearing on Science Policy.

(b) and (c). There is no proposal for preparation of such a report by the Council of Scientific and Industrial Research. The Scientific Advisory Committee to the Cabinet has been giving thought to the publication of an annual report on the implementation of the Scientific Policy Resolution, and also on the possibility of making this report public.

**Shri S. C. Samanta:** May I know which department of his Ministry is dealing with the International Council of Scientific Unions and Associations, and whether that department will be able and fit to put in a report?

**Shri Bhagwat Jha Azad:** In this case, before this the Estimates Committee of Parliament had recommended such an action. As it is known that the Scientific Committee of the Cabinet is considering this question and has decided that it will review the scientific policy of the country and prepare a report and submit it to Government, it can be later on considered for publication also.

की बहाल लिये : मैं यह जानना चाहता हूँ कि हमारे देश में न सर्व-ज्ञान पर विचार